December

Monday 14 Tuesday 15 Wednesday

9 a.m.

कौन कहता है कि सपनों को न आने दो हृदय में
देखते इनको सभी, अपनी उमर, अपने समय में।

10 a.m.

सैर कर दुनिया की ग़ाफिल ज़िन्दगानी फिर कहाँ
ज़िन्दगानी गर रही तो, यह जवानी फिर कहाँ।

11 a.m.

वे खुद को देखना चाहते हैं मुझमें
मगर अफ़सोस आइना नहीं मैं।

12 p.m.

सदा जिए मेरा शहर बेमिसाल जहाँ
हज़ार झोंपड़े गिरते हैं इक महल के लिए
क़तील ज़ख्म सहूँ और मुस्कुराता रहूँ
बने हैं दायरे क्या-क्या मेरे अमल के लिए।

1 p.m.

आँसू को कभी ओस का कतरा न समझना
ऐसा तुझे चाहत का समन्दर न मिलेगा।

2 p.m.

बिछड़ के भी मुझे तुझसे ये बदगुमानी है
कि मेरी याद कभी तो तुझे भी आनी है।

3 p.m.

4 p.m.

Work to be done

अजनबी प्यार से मिलते हैं सदा
भूल जाते हैं तो अक्सर अपने।

5 p.m.

6 p.m.

DECEMBER

S	M	T	W	T	F	S
•	•	1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31	•	•